

जनजातीय छात्रों के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पहल

स्रोत: पी. आई. बी

आयुष मंत्रालय ने अपनी अनुसंधान परिषद **केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद** (Central Council for Research in Ayurvedic Sciences- CCRAS) के माध्यम से **जनजातीय कार्य मंत्रालय** और **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद** (Indian Council of Medical Research- ICMR) **राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान** (National Institute of Research in Tribal Health- NIRTH) जबलपुर की संयुक्त पहल से जनजातीय वदियार्थियों के लिये एक स्वास्थ्य पहल की है। इस परियोजना से 20,000 से अधिक जनजातीय वदियार्थियों को लाभ होगा।

- संयुक्त पहल का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में **एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालयों (EMRS)** में बच्चों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करना है, जिसमें **14 राज्यों** में चहिनति 55 EMRS में 10-18 आयु वर्ग के छात्रों को लक्षित किया गया है।
 - यह आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों के माध्यम से **कुपोषण, एनीमिया, सकिल सेल रोग, हीमोग्लोबिनोपैथी और तपेदिक** जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
 - आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर बच्चों में **स्वस्थ जीवन शैली** प्रथाओं को स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उनके स्वास्थ्य, कल्याण और बीमारी की रोकथाम में सुधार करना है, साथ ही रोग प्रबंधन के लिये **एकएकीकृत दृष्टिकोण** भी अपनाया है।
- **एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय (EMRS)** दूरदराज के क्षेत्रों में **अनुसूचित जनजाति (ST)** के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने के लिये स्कूल खेल, **कौशल प्रशिक्षण** तथा **स्वास्थ्य देखभाल** सहित समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

और पढ़ें...[एकलव्य मॉडल आवासीय वदियालय](#)